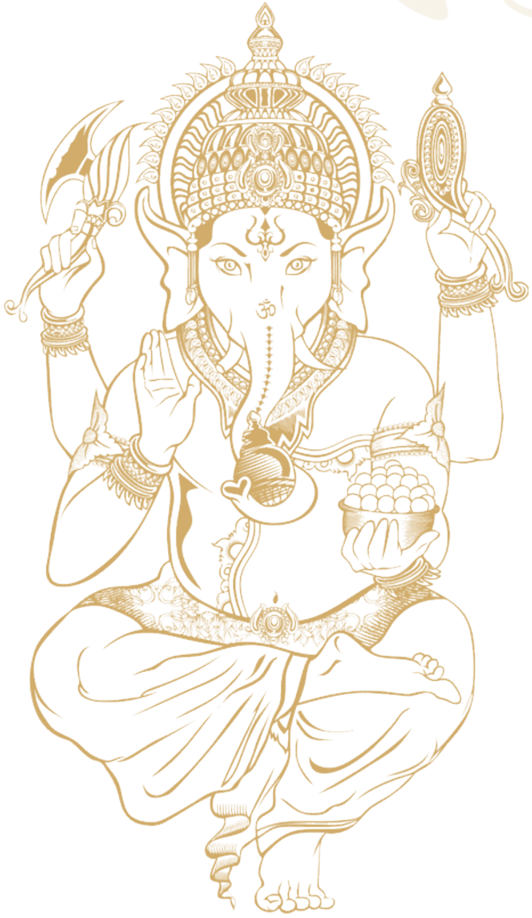

Shubham Soni

15 Jun 1994

04:20 PM

Utraula

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/06/1994**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:20:00 घंटे**
इष्ट	28:06:54 घटी
स्थान	**Utraula**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:20:00 उत्तर
रेखांश	82:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:00:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:19:40 घंटे
वेलान्तर	-00:00:21 घंटे
साम्पातिक काल	09:53:38 घंटे
सूर्योदय	05:05:14 घंटे
सूर्यास्त	18:56:16 घंटे
दिनमान	13:51:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:19:56 मिथुन
लग्न के अंश	27:21:49 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	27:21:49	309:17:12	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	00:19:56	00:57:19	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			सिंह	12:42:51	13:32:46	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			मेष	22:53:50	00:43:49	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध	व		मिथु	14:21:25	00:11:50	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु	व		तुला	11:24:01	00:02:58	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	06:23:08	01:10:28	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			कुंभ	18:34:16	00:00:46	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	29:36:28	00:02:01	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	29:36:28	00:02:01	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	01:46:02	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	28:55:40	00:01:22	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	02:09:25	00:01:25	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	02:23:08	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री   स - स्थिर
अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:00

लग्न-चलित

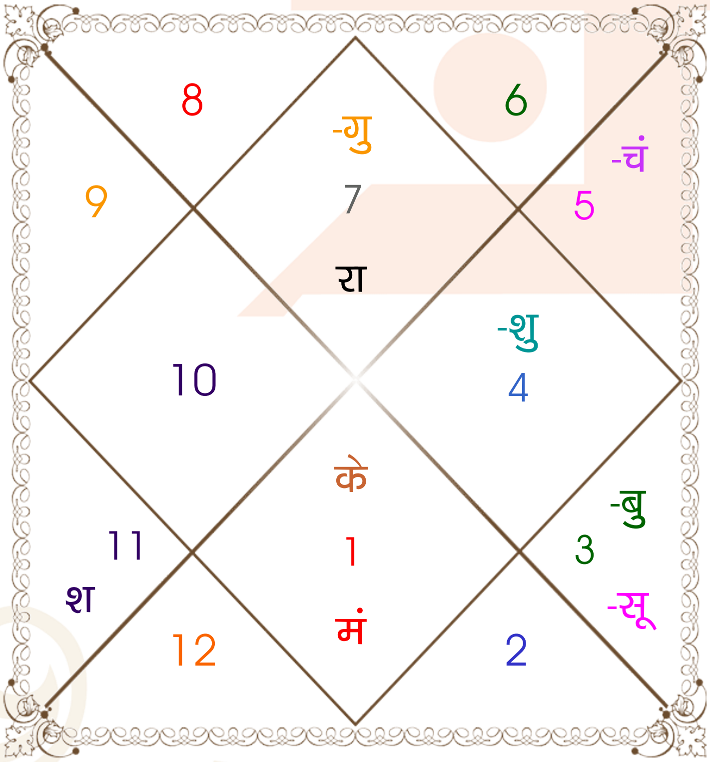

चन्द्र कुंडली

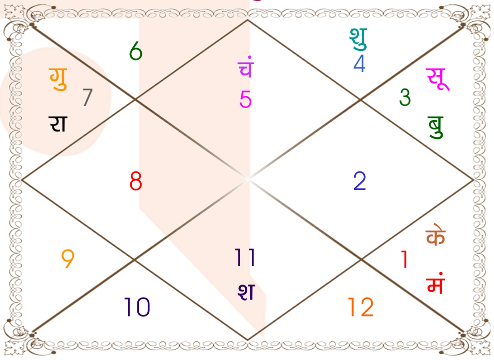

नवमांश कुंडली

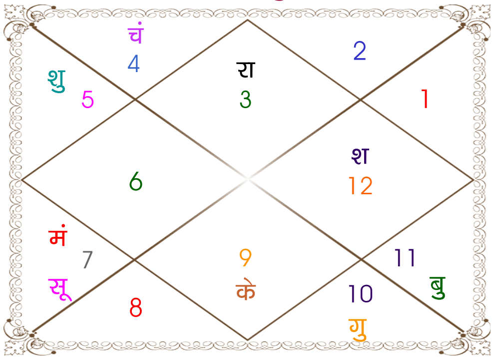

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 3 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/06/1994		12/10/1994		12/10/2014		11/10/2020		12/10/2030	
12/10/1994		12/10/2014		11/10/2020		12/10/2030		12/10/2037	
	00/00/0000	शुक्र	10/02/1998	सूर्य	29/01/2015	चंद्र	12/08/2021	मंगल	10/03/2031
	00/00/0000	सूर्य	11/02/1999	चंद्र	31/07/2015	मंगल	13/03/2022	राहु	28/03/2032
	00/00/0000	चंद्र	11/10/2000	मंगल	06/12/2015	राहु	12/09/2023	गुरु	03/03/2033
	00/00/0000	मंगल	12/12/2001	राहु	30/10/2016	गुरु	11/01/2025	शनि	12/04/2034
	00/00/0000	राहु	11/12/2004	गुरु	18/08/2017	शनि	12/08/2026	बुध	09/04/2035
	00/00/0000	गुरु	12/08/2007	शनि	31/07/2018	बुध	11/01/2028	केतु	06/09/2035
	00/00/0000	शनि	12/10/2010	बुध	06/06/2019	केतु	12/08/2028	शुक्र	05/11/2036
	15/06/1994	बुध	12/08/2013	केतु	12/10/2019	शुक्र	12/04/2030	सूर्य	13/03/2037
बुध	12/10/1994	केतु	12/10/2014	शुक्र	11/10/2020	सूर्य	12/10/2030	चंद्र	12/10/2037

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/10/2037		12/10/2055		12/10/2071		12/10/2090		13/10/2107	
12/10/2055		12/10/2071		12/10/2090		13/10/2107		16/06/2114	
राहु	24/06/2040	गुरु	29/11/2057	शनि	15/10/2074	बुध	10/03/2093	केतु	10/03/2108
गुरु	17/11/2042	शनि	12/06/2060	बुध	24/06/2077	केतु	07/03/2094	शुक्र	10/05/2109
शनि	23/09/2045	बुध	18/09/2062	केतु	03/08/2078	शुक्र	05/01/2097	सूर्य	15/09/2109
बुध	12/04/2048	केतु	24/08/2063	शुक्र	03/10/2081	सूर्य	11/11/2097	चंद्र	16/04/2110
केतु	30/04/2049	शुक्र	24/04/2066	सूर्य	15/09/2082	चंद्र	13/04/2099	मंगल	12/09/2110
शुक्र	30/04/2052	सूर्य	11/02/2067	चंद्र	15/04/2084	मंगल	10/04/2100	राहु	01/10/2111
सूर्य	25/03/2053	चंद्र	12/06/2068	मंगल	25/05/2085	राहु	28/10/2102	गुरु	06/09/2112
चंद्र	24/09/2054	मंगल	19/05/2069	राहु	31/03/2088	गुरु	02/02/2105	शनि	16/10/2113
मंगल	12/10/2055	राहु	12/10/2071	गुरु	12/10/2090	शनि	13/10/2107	बुध	16/06/2114

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 3 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।